हिन्दी प्रादेशिक समाचार
आकाशवाणी चंडीगढ़
24 नवंबर 2024, समय 1810

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गैर राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले युवाओं से राजनीति में शामिल होने का आग्रह किया है।
- श्री मोदी ने कहा है कि एन.सी.सी, युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व और सेवा की भावना पैदा करती है।
- प्रधानमंत्री ने विलुप्त होती गौरैया के अस्तित्व को लेकर चिंता व्यक्त की और कहा कि जैव विविधता को बनाये रखने में गौरैया की प्रमुख भूमिका है।
- श्री मोदी ने युवाओं से पुस्तकों से जुड़ने का आग्रह किया।
- हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह ने लोगों से महर्षि वाल्मीकि के दिखाये रास्ते पर चलने का आहवान किया। उन्होंने नरवाना में महर्षि वाल्मीकि भवन के लिए 51 लाख रुपये देने की घोषणा की।

****

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिना राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले परिवारों के युवाओं से राजनीति में शामिल होने का आग्रह किया है। आकाशवाणी से मन की बात कार्यक्रम में आज श्री मोदी ने कहा कि ऐसे एक लाख युवाओं को राजनीति से जोड़ने के लिए देश में कई विशेष अभियान चलाए जाएंगे। श्री मोदी ने अगले वर्ष स्वामी विवेकानंद की 162वीं जयंती पर दिल्ली में 'विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद' आयोजित करने की घोषणा की। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस संवाद में पूरे देश से करोड़ों युवा भाग लेंगे। गांवों, प्रखंडों, जिलों और राज्यों से चुने गए ऐसे दो हजार युवा संवाद के लिए दिल्ली के भारत मंडपम में भाग लेंगे।

प्रधानमंत्री ने निस्वार्थ भाव से समाज के लिए काम करने वाले युवाओं के बारे में बात की। उन्होंने उन युवाओं का जिक्र किया जो जो बुजुर्गों को डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र बनाने, मोबाइल से भुगतान करना सिखाने और उन्हें डिजिटल अरेस्ट के खतरे से बचाने का प्रयास कर रहे हैं। श्री मोदी ने जोर देकर कहा कि बुजुर्गों को साइबर धोखाधड़ी से सुरक्षित रखना सभी का दायित्व है। आज राष्ट्रीय कैडेट कोर-एनसीसी दिवस है। श्री मोदी ने एनसीसी कैडेट के रूप में अपने दिनों का स्मरण करते हुए बताया कि इससे प्राप्त अनुभव अमूल्य है। श्री मोदी ने कहा कि एनसीसी युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व और सेवा की भावना पैदा करती है।

प्रधानमंत्री ने युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में एनसीसी से जुड़ने का आग्रह भी किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरे देश के लोगों के एक पेड़ मां के नाम अभियान में भाग लेने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

उन्होंने इस बात पर गर्व व्यक्त किया कि यह अभियान अब दुनिया के अन्य देशों में भी फैल रहा है।

श्री मोदी ने स्वच्छता के बारे में कहा कि सरकारी कार्यालयों से दशकों पुरानी फाइलें और कबाड़ हटाने के लिए चलाए गए विशेष स्वच्छता अभियान में आश्चर्यजनक परिणाम मिले हैं और काफी स्थान भी खाली हुआ है। श्री मोदी ने विलुप्त होती गौरैया को लेकर चिंता व्यक्त की।

प्रधानमंत्री ने बच्चों के जीवन में गौरैया को वापस लाने के लिए किए जा रहे अनूठे प्रयासों के कुछ उदाहरण भी दिए।

युवाओं के जीवन में पुस्तकालयों के महत्व का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा -

प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया भर के दर्जनों देशों में लाखों भारतीय हैं, जिनके पूर्वजों की अपनी-अपनी कहानियाँ हैं। श्री मोदी ने कहा कि स्लोवाकिया में भारतीय संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के प्रयास किए जा रहे हैं। पहली बार उपनिषदों का स्लोवाक भाषा में अनुवाद किया गया है।

****

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज जींद में आदि कवि महर्षि वाल्मीकि जी की जंयती के उपलक्ष्य में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित किया। यह समारोह राज्य सरकार की संत प्रचार-प्रसार योजना के अंतर्गत आयोजित किया गया था। मुख्यमंत्री ने महर्षि वाल्मीकि को नमन करते हुए कहा कि उनकी शिक्षाओं, आदर्शों एवं सिद्धांतों के अनुरूप राज्य सरकार ने सबसे पहले वंचित व्यक्ति के उत्थान का काम किया है।

उन्होंने कहा कि सरकारी सेवाओं में सीधी भर्ती में अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षित 20 प्रतिशत सीटों में से 10 प्रतिशत वंचित अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित की गई हैं। मुख्यमंत्री ने नरवाना में महर्षि वाल्मीकि भवन के लिए 51 लाख रुपये की राशि देने की घोषणा की। इसके अलावा उन्होंने हिसार में छात्रवास बनाने के लिए भी मदद

करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि वेदों के ज्ञाता और ब्रह्म ज्ञानी महर्षि वाल्मीकि ने मानव को शोषितों व पीड़ितों के प्रति करूणा व दया भाव रखने, त्याग करने, बड़ों का आदर व आज्ञा का पालन करने का पाठ पढ़ाया। मुख्यमंत्री ने सभी से महर्षि वाल्मीकि के दिखाए रास्ते पर चलने का आह्वान किया।

****

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आज गुरु तेग बहादुर के शहीदी दिवस पर उन्हें नमन किया। एक सोशल मीडिया पोस्ट में राष्ट्रपति ने कहा कि गुरु तेग बहादुर ने लोगों को सच्चाई और न्याय के लिए लड़ने के लिए प्रोत्साहित किया। राष्ट्रपति ने सभी देशवासियों, खासकर युवाओं से गुरु तेग बहादुर की शिक्षाओं को अपनाने और उनके महान आदर्शों का पालन करने को कहा है। वहीं उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने गुरु तेग बहादुर को नमन करते हुए एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि नवम गुरु, साहस और निस्वार्थ बलिदान का एक उज्ज्वल प्रतीक हैं।

****